



Bhupesh Kumar

24 Jun 1975

Model: Numerology-Report

Order No: 119841601

अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 119841601

Date: 20/10/2025

नाम	Bhupesh Kumar
जन्म तिथि	24/06/1975
मूलांक	6
भाग्यांक	7
नामांक	4
मूलांक स्वामी	शुक्र
भाग्यांक स्वामी	नेप/केतु
नामांक स्वामी	हर्षल/राहु
मित्र अंक	3, 9, 7
शत्रु अंक	1, 8
सम अंक	2, 4, 5,
मुख्य वर्ष	1986,1995,2004,2013,2022,2031,2040,2049
शुभ आयु	11,20,29,38,47,56,65,74
शुभ वार	शुक्र, गुरु, मंगल
शुभ मास	मार्च, जन, सित
शुभ तारीख	6, 15, 24
शुभ रत्न	हीरा
शुभ उपरत्न	जरकिन,ओपल
अनुकूल देव	देवी
शुभ धातु	रजत
शुभ रंग	श्वेत
मंत्र	ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः
शुभ यंत्र	शुक्र यंत्र

11	6	13
12	10	8
7	14	9



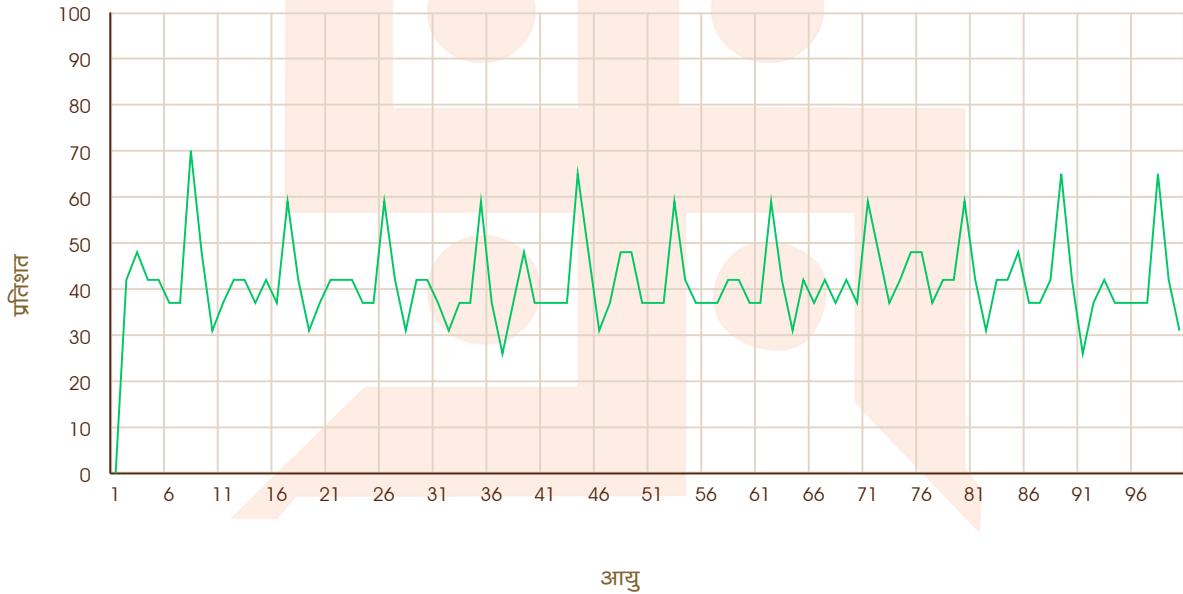
FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंको से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 1986,1995,2004,2013,2022,2031,2040,2049

शुभ आयु 11,20,29,38,47,56,65,74

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 24 है। दो तथा चार के जोड़ से 6 आपका मूलांक होता है। मूलांक 6 का स्वामी शुक्र ग्रह है। अंक दो का चन्द्र तथा अंक चार का स्वामी भारतीय मत से राहु तथा पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह होता है। इन तीनों ही ग्रहों का संयुक्त प्रभाव आपके ऊपर आयेगा।

मूलांक 6 के प्रभाव से आप एक आकर्षण व्यक्तित्व के धनी होंगे। दूसरों को अपनी ओर आकृष्ट करने की विशेष शक्ति आपके अन्दर रहेगी। सौन्दर्य बोध आपमें काफी रहेगा एवं विपरीत योनि के प्रति आकर्षण सहज में रहेगा। आप सुन्दर स्त्री-पुरुषों के मध्य अधिक समय बिताना तथा स्थायी संबंध बनाना आपको रास आयेगा। ललित कलाओं में आपकी रुचि रहेगी एवं एकाधकला आपकी स्थायी हॉबी के रूप में आ जायेगी।

आपको सुन्दर सुसज्जित घर, चाहे छोटा ही हो पर करीने से सजावट के साथ हा, ' ऐसी आपकी पसन्द रहेगी। आप अतिथि सत्कार में कभी भी कोई कमी अपनी समझ में नहीं करेंगे। आपके स्वभाव में थोड़ी हठधर्मिता रहेगी। इस कारण आपको कभी-कभी हानि उठानी पड़ेगी। अतः कोई भी निर्णय सोच-विचारकर सलाह, मशवरा के उपरांत प्रारम्भ करना आपके हित में रहेगा। प्रतिस्पर्धा से आप में ईर्ष्या जाग्रत होगी और आप अधिक उन्नति प्राप्त करने के लिए अधिक श्रम करेंगे, जिससे प्रतिस्पर्धा में विजय प्राप्त करेंगे।

प्रतिद्वन्दिता सहन न कर सकने के कारण कभी-कभी हानि उठानी पड़ेगी। चन्द्र एवं हर्षल के प्रभाववश आपकी दिनचर्या में परिवर्तन होते रहेंगे। आपकी सामाजिक स्थिति भी घटती बढ़ती रहेगी। कभी आप बहुत सुखानुभूति करेंगे तो कई ऐसे अवसर भी आयेंगे जब मायूसी छा जायेगी। अधिक कल्पनाशीलता तथा विध्वंसक कार्यों से दूर रहना आपके लिए हितकर रहेगा।

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी- कठिनाई से होता है। अन्यथा ज्यादातर धन की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म-क्षेत्र बना सकते हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर-दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचि पूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगे। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति-रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा-कदा परिवर्तित होता रहेगा।

आपका मूलांक 6 है तथा आपका भाग्यांक 7 है। मूलांक 6 का स्वामी शुक्र है तथा भाग्यांक 7 का स्वामी नेपच्यून है। मूलांक 6 और भाग्यांक 7 के बीच सम संबंध है। इसके प्रभाववश आपको मूलांक एवं भाग्यांक के मिलेजुले फल प्राप्त होंगे। शुक्र एवं नेपच्यून के

प्रभाववश आप कला के किसी क्षेत्र में उन्नति प्राप्त करेंगे। चौंसठ कलाओं में से किसी एकाधिक कला में आपको निपुणता हासिल होगी अथवा स्थायी रुचि बनी रहेगी। आपका रुझान कलात्मक वस्तुओं, दार्शनिक स्थलों की ओर अधिक रहेगा। आप ऐसा ही रोजगार-व्यापार पसंद करेंगे, जिसमें कला के किसी क्षेत्र का सतत् योगदान बना रहे। रोजगार-व्यापार के सिलसिले में अक्सर आपकी यात्राएं होती रहेंगी। यात्राएं आप दूर-दूर देशों की करेंगे तथा कुछ एक यात्राओं से आपको अच्छे लाभ की प्राप्ति होगी। धन संग्रह में आपको काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। जब कि भौतिक सुख-सुविधाओं की वस्तुएं आसानी से प्राप्त हो जाएंगी। जीवन की मध्य अवस्था से आपका उच्च भाग्योदय प्रारंभ होगा एवं अंतिम अवस्था तक आपकी आर्थिक स्थिति काफी सुदृढ़ बन जाएगी। प्रारंभ में तो आपका सामाजिक स्तर सामान्य रहेगा, लेकिन अंतिम अवस्था में आपको काफी सामाजिक प्रभाव प्राप्त होगा।

आपका भाग्योदय 25 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ हो कर 34 वर्ष की अवस्था पर आपको विशेष उन्नति प्राप्त होगी तथा 43 वर्ष की आयु पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 6 की मित्रता 3 एवं 9 से है तथा भाग्यांक 7 की मित्रता 2 एवं 6 से है। अतः आपके जीवन में 2, 3, 6, 7, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनसे आपके जीवन में कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से सम संबंध होने से मूलांक-भाग्यांक के प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में, आपके अनुरूप जाएंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन, या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए फरवरी, मार्च, जून, जुलाई, सितंबर के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक से भी मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें।

मूलांक 6 एवं भाग्यांक 7 के प्रभाववश ईस्वी सन्, जिनका योग 2, 3, 6, 7, 9 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 2, 3, 6, 7, 9 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

2, 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65, 74

3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75

6 . 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69

7 . 16, 25, 34, 43, 52, 61, 70

9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार साबित होंगी।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

Bhupesh Kumar
2+5+6+8+5+3+5 2+6+4+1+2
नाम का योग : 49 नामांक : 4

आपके नाम का कुल योग उन्नचास है। चार एवं नौ के योग से तेरह तथा एक एवं तीन के योग से चार आपका नामांक होता है। चार का स्वामी हर्षल एवं नौ का स्वामी मंगल है। इन दोनों ग्रहों के गुण-अवगुण आपके नाम को प्रभावित करेंगे। हर्षल के प्रभाव से आप अपने कार्य-क्षेत्र में पुरानी प्रथाओं को बदलने की कोशिश करेंगे। आप धन संग्रह अधिक नहीं कर पाएंगे। लेकिन नाम और यश अधिक प्राप्त करेंगे। समाज में आपको ख्याति अच्छी प्राप्त होगी। मंगल के प्रभाव से आपकी हमेशा यही कोशिश रहेगी कि आप जो भी कार्य हाथ में लें वह शीघ्र समाप्त हो जाये। अनुशासन में रहना आपको अच्छा लगेगा तथा दूसरों से यही आपकी अपेक्षा रहेगी। आपको हमेशा खुशामदी एवं चापलूस व्यक्तियों से सावधान रहना होगा अन्यथा हानि मिलेगी। आपके शत्रुओं की संख्या कम रहेगी। आप अग्नितत्व रोगों के शिकार हो सकते हैं। अतः आप कोमल हृदय से व्यवहार करें।

आपके नाम का नामांक 4 है। इसका आपके मूलांक 6 एवं भाग्यांक 7 से सम संबंध है। अतः आपको मूलांक स्वामी एवं भाग्यांक स्वामी ग्रहों के शुभ फल आपके नाम को पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं होंगे। इसके प्रभाव से आपका नाम समाज में पूर्ण प्रतिष्ठा प्राप्त करने में असमर्थ रहेगा। यदि आप मूलांक एवं भाग्यांक के ग्रहों का सम्पूर्ण फल प्राप्त करना चाहते हैं तो आप अपने नाम में इस प्रकार से परिवर्तन करें कि आपका नाम आपके मूलांक तथा भाग्यांक के साथ उत्तम तालमेल स्थापित करले। नाम में परिवर्तन करने के कारण आपको मूलांक स्वामी एवं भाग्यांक स्वामी ग्रह के पूर्ण फल प्राप्त होंगे तथा आपका नाम समाज के विभिन्न क्षेत्रों में लोकप्रियता प्राप्त करने में सफल रहेगा।

अपने नाम का अच्छा फल पाना चाहते हैं तो आप ऐसे नाम का चुनाव कीजिये जोकि आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों से ही मिलान करें तथा उसका नामांक 6 आता हो और 1 न हो तो ऐसा नाम आपकी रुकी हुई प्रगति के द्वार खोलेगा तथा आप पूर्ण रूपेण सांसारिक सफलताएं अर्जित करेंगे। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 2,3,7 अंक शुभ रहेंगे तथा 8,9 अंक अहितकर होंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि

उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7

उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटना:-	GANESHA $3+1+5+5+3+5+1=23=5$	GANESH $3+1+5+5+3+5=22=4$
एक अंक :-	RAM $2+1+4=7$	RAMA $2+1+4+1=8$
दो अंक :-	BINDRA $2+1+5+4+2+1=15=6$	BRINDRA $2+2+1+5+4+2+1=17=8$
तीन अंक :-	RAMCHAND $2+1+4+3+5+1+5+4=25=7$	RAMCHANDRA $2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28=9$
चार अंक :-	KRISHNA $2+2+1+3+5+5+1=19=1$	KRESHNA $2+2+5+3+5+5+1=23=5$
पाँच अंक :-	TEWARI $4+5+6+1+2+1=19=1$	TIWARI $4+1+6+1+2+1=15=6$
छः अंक :-	AGGARWAL $1+3+3+1+2+6+1+3=20=2$	AGARWAL $1+3+1+2+6+1+3=17=8$



FUTUREPOINT
Astro Solutions



लोशु फल

4 4	9 9	2 2
	5 5	7 7 7
	1 1	6 6 6

लोशु चार्ट का परिचय

लोशु चार्ट चीनी अंक शास्त्र का एक अहम भाग है। यह चमत्कारी लक्ष्मी यन्त्र पर आधारित है। इस पद्धति के द्वारा हम किसी भी व्यक्ति की सिर्फ जन्मतिथि जानकर ही बड़ी सरलता व शीघ्रता से उसके संपूर्ण व्यक्तित्व को समझ लेते हैं। इस पद्धति के द्वारा हम उस व्यक्ति के चार्ट में अनुपस्थित अंकों के हानिकारक प्रभाव को दूर करने के उपाय भी बता सकते हैं। उपस्थित व अनुपस्थित अंकों की पक्तियां कालम व समूह व्यक्ति के विशेष व्यक्तित्व को बताने में सहायक होते हैं।

अंक 1 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में अंक एक केवल एक ही बार उपस्थित है। अतः आप अपनी अंतस्थ भावनाओं को कठिनता से व्यक्त कर पाते हैं या अपने भीतर के विचार व्यक्त करने में असमर्थ होते हैं। अन्य क्षेत्रों में आपका आचरण भले ही अच्छा हो किन्तु अपने व्यक्तित्व के अंतस्थ भाग को प्रकट करते समय आप व्याकुलता का अनुभव करते हैं और मन की बात कहने में हिचकिचाते हैं। दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण को भी आप प्रायः ठीक प्रकार से समझने में कठिनाई महसूस करते हैं। आपके लिए दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण की प्रशंसा कर पाना भी थोड़ा मुश्किल होता है। विषाद एवं अकेलापन आपको आसानी से घेर लेता है। आप आंकड़ों एवं तथ्यों को इकट्ठा करने तथा संजोने में काफी ध्यान देते हैं, जिससे समय की बर्बादी होती है, तथा कार्य पूर्ण होने में अनावश्यक विलम्ब होता है। सतत विकाश एवं वृद्धि के लिए आपको शांत एवं



FUTUREPOINT
Astro Solutions



सौहार्दपूर्ण वातावरण की आवश्यकता होती है। आप नौकरी अथवा व्यवसाय में काफी हद तक सफल होते हैं, लेकिन व्यावहारिक रूप से दूसरों को न समझा पाने के कारण, या अपनी बातों को स्पष्ट न कर पाने के कारण कुछ असफलता का सामना भी करना पड़ता है।

अंक 2 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में दो अंक एक बार उपस्थित हैं। जिस कारण आप संवेदनशील और अंतर ज्ञानी हैं, आप एक ही झलक में दूसरे व्यक्ति का सार निकाल लेने में प्रवीण हो, किन्तु दुर्भाग्य आपको शीघ्रता से आहत भी कर देता है, आप निष्ठाहीनता को ज्ञात करने की विलक्षण प्रतिभा के स्वामी हैं। आप शांत और संवेदनशील स्वभाव वाले हो, आपको अपनी बात किसी से कहते वक्त उसे ध्यान रखना होता है। कभी कभी बात ठीक ढंग से किसी से कह नहीं पाते हो। कोई भी बात आपको बहुत जल्दी चुभ जाती है। आप बहुत भावनात्मक हो। आप बड़े ही अंतर्मुख स्वभाव के होने से आपको भविष्य में घटने वाली घटनाओं के बारे में संकेत मिल जाते हैं। आपमें हिम्मत की कमी होती है, आप अपने दिमाग को किसी चीज पर केंद्रित नहीं कर पाते, कोई भी निर्णय जल्दी नहीं ले पाते, आप बड़े मूड़ी स्वभाव के होते हैं, बहुत जल्दी अपना स्वभाव बदल देते हैं, हसते हसते गंभीर हो जाते हैं।

अंक 3 - अनुपस्थित

लोशु चार्ट में अंक तीन की अनुपस्थिति हो तो गुरु जनों व ईश्वर की कृपा कम प्राप्त होती है। आत्मविश्वास की कमी रहती है, विचलित होने पर आप तार्किक रूप से नहीं सोच पाते, जिसके कारण आप स्वयं को व्यक्त करने में कठिनाई का अनुभव करते हैं। आपमें स्वयं की योग्यता को कम करके आंकने व स्वयं को न जताने की प्रवृत्ति भी होती है। विपत्ति के समय आप उचित प्रकार से सोच नहीं पाते और अधिक मेहनत करने के बाद उद्देश्य की प्राप्ति होती है। अपनी कल्पनाओं के अंदर खोये रहते हैं, अक्षर दूसरों के साथ अच्छे सम्बन्ध नहीं बना पाते, आप अधिक दूर की नहीं सोच पाते, आपकी मानसिक क्षमता कमजोर होती है। जिस कारण आपको अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आपकी कल्पनाशक्ति और ज्ञान कम होता है। आपके पास दूरदर्शिता भी नहीं रहती, यह मानसिक, शारीरिक, और आर्थिक तंगी में हालत से लड़ नहीं पाते। आप जल्दी परेशान हो जाते हैं, आपकी अध्यात्म और ज्ञान के विषय में रुचि नहीं रहती। आपको आवश्यकता इस बात की है कि आप स्वयं को स्वीकार कर आगे बढ़ें और धीरे-धीरे आत्मविश्वास व आत्मसम्मान में बढ़ोतरी करें।

अंक 4 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में चार अंक एक बार उपस्थित हैं। अतः आप व्यावहारिक व हस्त कौशल में निपुण हैं, आप ऐसे व्यवसाय को पसंद करते हैं, जिसमें आप अपने हाथों से कार्य कर सकें, आप कल्पनाशील योजनाओं व सिद्धांतों से चिढ़ते हैं। आपमें दूसरों को संगठित करने और योजनाओं को पूर्णता तक पहुँचाने की क्षमता प्रकृति-प्रदत्त होती है। आप लोगों की संगीत व हस्त-शिल्प आदि कलाओं में भी गहरी रुचि होती है। आप अपनी कार्यक्षमता को अच्छे रूप से दूसरों के समक्ष रखने में सक्षम हैं। आप सामान्यतया व्यवहार कुशल हो और कठिन

परिस्थितियों व गंभीर मसलों को कूटनीति से सुलझाने में दक्ष हो। आपका स्वभाव शांत और कार्यों को पूरा करने में चतुराई से काम लेते हो।

अंक 5 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में पांच अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप भावनात्मक रूप से संतुलित हैं। आप दयालु, दूसरों के प्रति संवेदनशील व सहज प्रकृति के स्वामी हैं, दूसरों को प्रेरणा व प्रोत्साहन प्रदान करने में सक्षम होने के कारण आप संभावित सफलता से भी कुछ अधिक ही प्राप्त कर लेते हैं। आप तेज बुद्धि एवं दिमाग तथा योग्यता के कारण किसी भी काम को सफलतापूर्वक करने में सक्षम हैं। आप सामान्यतः अच्छी जिंदगी जीते हैं, आपको हर वैसे काम में दिलचस्वी होती है, जिसमें नयापन हो, आप अनेक प्रकार के व्यवसायों से धन अर्जित करने वाले, कुशाग्र बुद्धि, गणित विषय में निपूण और आपकी गणना करने की शक्ति तीव्र होती है। आप सभी विषयों को तार्किक दृष्टि से देखते हैं। वाणिज्य और कारोबार में भी आप सफल होते हैं। आप अच्छे वक्ता, संवाद और संचार के क्षेत्र में अद्भुत सफलता प्राप्त करते हैं।

अंक 6 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में छः अंक दो बार उपस्थित है। अतः आप अपने घर-परिवार की अनावश्यक चिंता में संलिप्त रहते हैं। जिसके फलस्वरूप उपजे मानसिक तनाव के कारण ऐसे जातकों को अधिक विश्राम की आवश्यकता होती है। आप क्रियात्मक कार्यों को पसंद करते हैं, और सुन्दर वस्तुओं के मध्य प्रश्न रहते हैं। आप प्रायः अपने बच्चों की बहुत चौकसी करते हैं, जिसके कारण उनके प्राकृतिक विकास में बाधक सिद्ध होते हैं। पारिवारिक जीवन में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, आपको पारिवारिक सहयोग मिलने में परेशानी आती है। विवाहित जीवन में भी आपकी रोका-टोकी के कारण मतभेद की स्थिति बनती रहती है, जिससे आपके और जीवन साथी के बीच विवाद खड़े हो जाते हैं। कई बार घर से दूर रहना पड़ता है, घर-परिवार का सहयोग नहीं मिल पाता और इसके चलते आपके स्वभाव में एक चिड़चिड़ापन आ जाता है।

अंक 7 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में सात अंक दो बार उपस्थित है। अतः आप प्रेम, स्वास्थ्य और वैभव गंवाकर ही ज्ञान व बुद्धिमत्ता प्राप्त करते हैं। अंततोगत्वा, इसी कारण से आपका झुकाव अलौकिक अथवा ब्रह्म जगत की ओर हो जाता है। आपका मस्तिष्क विश्लेषक होता है, जिसके कारण दुर्बोध तकनीकी प्रश्नों को हल करने की विशेष योग्यता आप में होती है। आप बुद्धि, ज्ञान, वैराग्य, कल्पना, अंतर्दृष्टि, ममर्ज्ञता, विक्षोभ और अन्य मानसिक गुणों से युक्त हैं। आप बहुत कुछ खोकर जीवन का गूढ़ अनुभव प्राप्त करते हैं, लेकिन आप लोगों को समझ पाना बहुत कठिन है। आप आध्यात्मिक, कला प्रेमी, एवं अध्ययनशील हैं, छोटी बात को विस्तार देना आपको खूब आता है। सच्चाई को पसंद करते हैं, तथा समय का बड़ा ध्यान रखते हैं, जीवन में नियमों और सिद्धांतों को नहीं छोड़ते, धार्मिक कार्यों में अधिक रुचि लेते हैं, और एकांत में रहना अधिक पसंद करते हैं। कड़वे अनुभवों से सिखने के कारण आप जीवन को अच्छी तरह से समझते हैं।

अंक 8 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 8 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप अपने वित्तीय प्रबंधन में कुशल नहीं होते, आप या तो बिलकुल ही लापरवाह होते हैं, अथवा दूसरों के प्रति ज्यादा विश्वस्त होते हैं। फलस्वरूप रुपये-पैसे के मामलों में कष्ट प्राप्त करते हैं, आपमें निर्णय शक्ति की कमी व भौतिक साधनों का अभाव रहता है। लक्ष्य-निर्धारण की भी कमी होती है, और कार्य को हाथ में लेकर अधूरा छोड़ने की प्रवृत्ति भी, आपको प्राकृतिक जल्दबाजी को नियंत्रण करने, और अभिनय से पहले सोचने के लिए सिखने की जरूरत है। आप अनुशासित नहीं होते हैं, आप अपने पैसों का हिसाब नहीं रख पाते, जैसे कितना कमाया, कितना लगा और क्या बचा है। आप अधिक मेहनत करने में विश्वास नहीं रखते, आपकी अत्यधिक महत्वाकांक्षा एवं भौतिकवादी सोच आपके लिए तनाव एवं अवसाद का कारण बनती है। आपमें जल्दी स्थिरता नहीं आती, और जीवन में जल्दी से पैसा कमाना चाहते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि आप अपनी इस स्वेच्छा की प्रवृत्ति का त्याग करें, और कुछ करने से पूर्व विचार करने की आदत का विकास करें।

अंक 9 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में नौ अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप महत्वाकांक्षी होते हैं और उन्नति करने की तीव्र आकांक्षा रखते हैं। लोग अनायास ही आपकी तरफ आकर्षित हो जाते हैं। आप देश में हो या विदेश में किसी भी काम में पूरी तरह से सफलता प्राप्त करते हैं। जब आप स्वार्थरहित होकर कार्य करते हैं, तो आपमें आकर्षण अधिक होता है, आप हमेशा चारों ओर घूमते नजर आते हैं। विभिन्न क्षेत्र के लोगों से मिलते हुए उन्हें समझते हुए प्रेम एवं सहानुभूति प्रदान करते हुए, इस अंक के लोगों को देखा गया है। कभी कभी बिना किसी उद्देश्य एवं स्वार्थ के काम करने वाले, आप लोग मानवता की सच्ची सेवा करने वाले होते हैं। जब आप दूसरों के हित के लिए कार्य करते हैं, तो आपका अंतर्ज्ञान तथा विलक्षण प्रतिभा तथा चारित्रिक दृढ़ता अविस्मरणीय परिणाम देती है। अंक नौ की अवस्थिति मानसिक स्तर तथा क्रियात्मक पंक्ति दोनों में है। यही एक कारण है कि मनुष्य जाती की उपलब्धियां 20वीं सदी में प्रचुर रहीं हैं। तथापि ऐसा प्रतीत होता है कि हम में से बहुतों को अभी मानवता प्रेम का पाठ पढ़ना शेष है।

बुद्धि के अंक - 4. 9 व 2

आपके लोशु चार्ट में 4. 9 व 2 अंकों की उपस्थिति है। इन अंकों की उपस्थिति से इस अंक की सृष्टि होती है, अतः आप बौद्धिक सामर्थ्य व उत्तम स्मरण शक्ति वाले व्यक्ति हैं, इस अंक के प्रभाव से आप स्पष्ट, न्यायसंगत व विश्लेषण में निपुण हैं, लेकिन कभी-कभी अपने आपको दूसरों से उत्कृष्ट समझते हैं, अधिकांश अपनी ही धुन में मग्न रहते हैं। आपको अपनी प्राचीन परंपराओं से ज्यादा लगाव नहीं होता है न आप धर्म पर आँख मूँद कर यकीन करते हैं। आप अपनी मंजिल खुद पाने और अपना रास्ता खुद बनाने में यकीन रखते हैं। आप कुछ मामलों में हठी स्वभाव के हो सकते हैं लेकिन दूसरों के लिए आप एक विश्वासपात्र मित्र के रूप में सामने आते हैं। आप दिखावे और चापलूसी में यकीन नहीं करते हैं।

संकल्प-शक्ति के अंक - 1. 5 व 9

यह योग इच्छा शक्ति को दर्शाता है, आपके लोशु चार्ट में 1. 5 व 9 अंकों की उपस्थिति है। अतः आपमें अत्यधिक इच्छा शक्ति है। दुराग्रही, अध्यवसायी व इरादे के पक्के हैं, और बहसवाजी में अधिक निपुण हैं। जीवन में कैसे भी हालत रहें आप हार नहीं मानते, आप में हालातों से लड़ने की क्षमता होती है। जिस कारण जीवन में आप ऊंचाइयों को छूते हैं, विभिन्न विषयों पर आप ठोस विचार रखते हैं। यह अंक सफलता का प्रतीक माना जाता है, क्योंकि जब तक आप निश्चित लक्ष्य तक नहीं पहुँच जाते, दृढ़ता से अपने कार्य में लगे रहते हैं। कभी कठिन समय आ जाये, और इनके पास कुछ भी न हो और अगर आप इनसे पूछें कि आप कैसे हो तो हमेशा यही जवाब देंगे कि बहुत बढ़िया, यह करोड़ों रुपये भी कमा लें तो इनके पाँव जमीन पर ही रहते हैं। ऐसे व्यक्तियों को मानसिक रूप से हराया नहीं जा सकता, इन्हें जीवन में अच्छी सफलता मिलती है। इनके चेहरे पर तेज होता है, इनकी अच्छी सूझ-बुझ होती है, और बात करने का ढंग भी बढ़िया होता है, दिमागी शक्ति भी अच्छी होती है।

कर्मठता के अंक - 6. 7 व 2

आपके लोशु चार्ट में 6. 7 व 2 अंकों की उपस्थिति है। अतः आप सक्रिय रहना चाहते हैं, और शारीरिक गतिविधियाँ पसंद करते हैं। आप व्यायाम करना व खेलों में हिस्सा लेना भी पसंद करते हैं, आप बहादुर, साहसी और शक्ति के स्वामी हैं। आपका अच्छा गुण है जिस काम के पीछे पड़ जाएँ उसे करके ही छोड़ते हैं, आपके पास शक्ति का विशाल भंडार होता है, और आप इस शक्ति का उपयोग जोखिम के कार्यों में करके, सर्वाधिक प्रसन्नता का अनुभव करते हैं, और काम करने को हमेशा तैयार रहते हैं। अभी कोई चीज चाहिए तो बस चाहिए, थोड़े बेताब होते हैं। आपको हर चीज जल्दी हासिल करने की जिद लगी रहती है, अपने फैसलों को टाल-मटोल नहीं करते, और बस जल्दी फैसले लेते हैं। जिस कारण आपको कई बार पछताना भी पड़ता है, आप निडर स्वभाव के दूसरों की कम सुनते हैं। अपने फैसले खुद ही लेते हैं, आप खेल, घूमना फिरना, विक्री, विपणन व्यवसाय में अच्छे होते हैं। आपको एक जगह बैठकर करने वाला काम पसंद नहीं आता, आपको तो चलते फिरते कार्य पसंद हैं।

भावनात्मक संतुलन के अंक - 4. 5 व 6

आपके लोशु चार्ट में 4. 5 व 6 अंकों की उपस्थिति है, अतः आप करुणाशील व चौकस प्रवृत्ति के होते हैं। आप प्रायः ऐसी आजीविका अपनाते हैं, जिसमें आप दूसरों की सहायता कर सकें, आप संवेदनशील होते हैं और प्रायः अंतर्ज्ञान भी, आप दूसरों की आवश्यकता को समझने की दैवी-शक्ति के स्वामी हैं। अपनी किशोरावस्था में आप शर्मीले प्रतीत होते हैं, बाल्यकाल में भी शांत, भद्र व मृदुता से व्यवहार करने वाले होते हैं। अपने प्रभावी स्वभाव और अच्छे संचार कौशल की वजह से किसी भी स्थिति को संभालने में सफल रहते हैं। आप किसी भी उत्पन्न होने वाली स्थिति को अपने सुनने की क्षमता से दूर कर सकते हैं। आप किसी भी स्थिति में संतुलित, न्यायपूर्ण और निष्पक्ष रहते हुए गहराई से सोचने के बाद ही फैसला लेते हैं। और जीवन में विशेष सफलता प्राप्त करते हैं। यह परम योग है, अदभुत योग है, ऐसे योग में व्यक्ति रंक से राजा बन जाता है। आप भले ही किसी भी क्षेत्र में जाएँ सफलता अवश्य मिलती है।

जल तत्त्व - अंक 1

आपके लोशु चार्ट में जल तत्त्व की उपस्थिति है। जल बुद्धि और ज्ञान का प्रतिनिधित्व करता है, जल लचीला है फिर भी मजबूत है, अभी भी बह रहा है। 1, अंक सूर्य से सम्बंधित है, जल शांत है फिर भी खतरनाक है। जल के लिए सतह केवल शुरुआत है, इसकी गहराई में छिपे वास्तविक चाल के साथ, जल तत्त्व वाले वे नहीं हैं, हालांकि आप अपनी खुद की कंपनी और आंतरिक प्रतिबिम्ब के लिए समय का आनंद लेते हैं। आप अक्षर शांत और शांति पूर्ण होते हैं, लेकिन दूसरों को अभिभूत करने की एक बड़ी क्षमता होती है, आप निडर, साहसी व स्वाभिमान भी होते हैं। नौकरी हो या व्यवसाय अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत आप हमेशा उच्च शिखर पर पहुँचते हो, किसी भी कार्य को करने में आप निपुण हैं आप अपने जीवन को निष्पक्ष तरीके से देखते हैं।

खूबियां- आप राजनैतिक कार्यों में कुशल, परिवार, समाज, राष्ट्र आदि सभी का नेतृत्व करने की आपें क्षमता होती है। तेज़ नज़र, सहानुभूति और अच्छे मध्यस्थ, दृढ़, सहज और लचीला, कोमल लेकिन मजबूत, और आप दूरदर्शिता के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां - स्व कृपालु, बहुत निष्क्रिय, दूसरों पर बहुत ज्यादा भरोसा करना, दुविधा में पड़े रहना, चिंतित रहना आदि अवगुण होते हैं।

पृथ्वी तत्त्व - अंक 2, 5, 8

आपके लोशु चार्ट में पृथ्वी तत्त्व की उपस्थिति है। पृथ्वी स्थिर और मध्यस्थ होती है। यह एक प्राकृतिक जन्म शांति रक्षक होता है। पृथ्वी धैर्यवान, विचारशील और शांत होती है। जबकि पृथ्वी गर्म और पोषित होती है, यह आसानी से स्व-केंद्रित भी हो सकती है क्योंकि यह मानती है कि यह सब कुछ का केंद्र है। पृथ्वी सुरक्षात्मक है और वे उन जड़ों का प्रतिनिधित्व करती हैं। जो सब कुछ एक साथ रखती हैं, हालांकि, यह भी नियंत्रित हो सकती है। इस तत्त्व के लोग सहानुभूति की एक बड़ी मात्रा में होते हैं और खुद को लगातार दूसरों की खुशी के बारे में चिंतित पाते हैं। 2 अंक चन्द्रमा का है, 5 अंक बुध का और 8 अंक शनि से सम्बंधित है, ऐसे व्यक्ति धनाढ्य होते हैं, इनका अपना जमीन से जुड़ा हुआ मकान होता है।

खूबियां - ऐसे लोग स्थिर प्रवृत्ति के, गंभीर, व्यावहारिक, तार्किक, अनुकंपा, देखभाल, सहानुभूति, उत्तरदायी, वफादार होते हैं और ईमानदार, पोषण, संगठित व योजना बनाने में अच्छे, मजबूत और स्थायी होते हैं।

कमजोरियां - अतिसंरक्षित, जिद्दी, जन्मजात कंजूस, रुढ़िवादी, जोखिम लेने में परेशानी होती है।

काष्ठ तत्त्व - अंक 3, 4

आपके लोशु चार्ट में काष्ठ तत्त्व की उपस्थिति है। काष्ठ उदार और विशाल होती है और दूसरों की गहराई से देखभाल करती है। बांस के साथ, काष्ठमजबूत होती है। फिर भी लचीली होती है और एक प्राकृतिक जन्म से नेता भी है। इसकी जड़ें पृथ्वी में गहरी खुदाई करती हैं, हालांकि, काष्ठ को जीवित रहने के लिए नमी की भी आवश्यकता होती है। काष्ठ की विशेषताएं अक्सर

कामुकता और धैर्य से जुड़ी होती हैं। हालांकि, इसे संतुलित करने के लिए, काष्ठ घुसपैठ और आक्रामक भी हो सकता है। 3, अंक गुरु से और 4 अंक राहु से सम्बंधित है। ऐसे व्यक्ति लगातार विस्तार और आगे बढ़ने की तलाश में होते हैं। जटिल से जटिल कार्य को करने में सक्षम होते हैं। अपने काम को आसानी से निकाल लेते हैं।

खूबियां- यह काफी चतुर होते हैं, इनमें अच्छी समझ, गर्म, मिलनसार, दयालु, लचीला और अनुकूलनीय, स्थिर और व्यावहारिक, उदार होते हैं।

कमजोरियां - सीमाओं या सीमाओं की अच्छी समझ नहीं है, बहुत ज्यादा निष्क्रिय हो जाते हैं, दूसरों पर बहुत अधिक भरोसा कर लेते हैं।

धातु तत्त्व - अंक 6, 7

आपके लोशु चार्ट में अंक 6, 7 धातु तत्त्व की उपस्थिति है। धातु खानों में पाया जाने वाला हीरा है, यह जीवन की सांस है, 6, 7 धातु तत्त्व से सम्बंधित लोग स्वयं का सम्मान करते हैं, और दूसरों का भी सम्मान करते हैं, 6, अंक शुक्र और 7, अंक केतु से सम्बंधित है। इस तत्त्व से प्रभावित लोग मजबूत और कठोर होते हैं, लेकिन दबाव डालने पर यह अनुकूल और बदल जाते हैं। धातु को अक्षर बिना पका हुआ, कठोर और निर्धारित किया जाता है। इस तत्त्व वाले लोग न्यूनतम होते हैं, संगठित और स्वच्छ जीवन की सादगी का आनंद लेते हैं, हालांकि नकारात्मक पक्ष पर धातु भी शक्तिशाली और नियंत्रित हो सकती है, ये धातु पदार्थ है। वास्तव में आपके जीवन में जटिल या अनावश्यक भावना की आवश्यकता होती है।

खूबियां- आप साहसिक, महत्वाकांक्षी, स्वतंत्र विचारधारा, निर्धारित लक्ष्य पर चलने वाले, अनुशासित, केंद्रित, उच्च नैतिकता और उच्च मानक के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां- संचार कौशल में कमी, जिद्दी, कभी-कभी अनुचित आंकना, क्रूर, निर्दयी, आसानी से संबंधों में कटौती, अतिसंवेदनशील, आदि अवगुण होते हैं।

अग्नि तत्त्व - अंक 9

आपके लोशु चार्ट में अग्नि तत्त्व की उपस्थिति है। आग हमेशा ऊपर की ओर निर्देशित होती है और इसकी ऊर्जा कभी समाप्त नहीं होती है। यह लगातार और मजबूत है, हालांकि, यह फैलता भी है और आसानी से भटकता भी है। तत्त्व के रूप में आग के साथ रोमांचकारी साधक होते हैं, जो एक साहसिक क्षण से अगले तक घूमते हैं। आग अक्सर गर्मी, जुनून और बनाने की आवश्यकता से जुड़ी होती है। हालांकि, रिवर्स साइड पर, यह आक्रामकता, अधीरता और विनाश से भी संबंधित हो सकती है। जबकि आग गर्मी और गर्मी प्रदान कर सकती है, यह जल भी सकती है। आग अपने आप नहीं हो सकती। हालांकि यह उज्ज्वल और रोमांचक है। इसे संपन्न करने के लिए लकड़ी की स्थिरता की आवश्यकता है। 9 अंक मंगल से सम्बंधित है, इनका शरीर सुगठित, इनकी इच्छा शक्ति स्ट्रांग होती है, ये बहादुर, साहसी और पूरी शक्ति के साथ कार्य करने वाले होते हैं, इनमें निर्णय लेने की क्षमता अच्छी होती है।

खूबियां- आप भावुक और उत्साही, रचनात्मक, अनुशीलन और करिश्माई, सहज और

साहसी, हमेशा चुनौती को स्वीकार करने वाले, गर्मजोशी और दृढ़ संकल्प शक्ति वाले होते हैं।

कमजोरियां - ध्यान की लालसा, रोगी, जोड़ तोड़ करने वाले, झगड़ालू प्रवृत्ति के, मिजाज के अनुकूल, आक्रामक, आवेगी और अस्थिर, अकेले रहने वाले होते हैं।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

शुक्र दिनांक 21 अप्रैल से 21 मई तक तथा 24 सितंबर से 13 अक्टूबर तक सूर्य, पाश्चात्यमतानुसार, वृष तथा तुला राशि में रहता है, जो भारतीय मतानुसार 13 मई से 14 जून तथा 17 अक्टूबर से 13 नवंबर तक का समय होता है। यह शुक्र की स्वराशि है। 14 मार्च से 12 अप्रैल तक मीन राशि से शुक्र उच्च का होता है। अतः उपर्युक्त समय मूलांक छह के लिए कोई भी नया कार्य या महत्वपूर्ण कार्य करने हेतु अधिक उपयुक्त रहता है।

अनुकूल दिवस

आपके लिए शुक्रवार, मंगलवार एवं गुरुवार के दिन शुभ रहेंगे और यदि आपकी शुभ तारीखों में शुक्रवार, मंगलवार एवं गुरुवार पड़ रहा हो तो ऐसी तारीखें एवं दिन आपके लिए विशेष फलदायी सिद्ध होंगे।

शुभ तारीखें

आपके लिए अंग्रेजी माह की 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 तारीखें किसी भी प्रकार का पत्र व्यवहार या किसी उच्चाधिकारी से संबंध या कोई भी व्यवसाय संबंधी नया कार्य प्रारंभ करने हेतु अधिक उपयुक्त तथा विशेष फलदायक रहेंगी।

अशुभ तारीखें

आपके लिए कोई भी महत्वपूर्ण कार्य, रोजगार-व्यापार संबंधी कार्य, पत्र व्यवहार संबंधी कार्य प्रारंभ करने हेतु 1, 8, 10, 17, 19, 26 एवं 28 तारीखें में शुभ नहीं है। अतः आप इन दिवसों में कोई भी कार्य प्रारंभ करने की भूल न करें। यही आपके लिए उचित रहेगा।

मित्रता या साझेदारी

आप केवल उन्हीं व्यक्तियों से अधिक मित्रता रखें जिनका जन्म 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 तारीखों में अथवा 13 मई से 14 जून 12 अक्टूबर से 13 नवंबर एवं 14 मार्च से 13 अप्रैल के बीच हुआ हो। ऐसे व्यक्ति सुख एवं दुख के समय में भी अपनी मित्रता का परिचय देंगे तथा आपके रोजगार-व्यापार में भी सहायक होंगे।

प्रेम संबंध एवं विवाह

जिन महिलाओं का जन्म 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 तारीख को हुआ हो तथा जिनका मूलांक 3, 6, 9 हो, ऐसी महिलाएं आपके लिए प्रेम संबंध या विवाह संबंध हेतु उचित रहेंगी तथा आपके रोजगार आदि में भी आपको सफलता के शिखर पर पहुंचाएंगी।

अनुकूल रंग

आपके लिए शुभ रंग हल्का नीला, आसमानी, गहरा नीला, हल्का गुलाबी होने चाहिए। नीला हल्का नीला होना चाहिए और हो सके तो घर की दीवारें, चादर आदि का चुनाव भी इन्हीं रंगों के अनुरूप ही करें और यदि स्वास्थ्य में अच्छा परिवर्तन लाना हो तो इन्हीं रंगों के वस्त्र पहनें और हो सके तो इन्हीं रंगों में से किसी एक रंग का रुमाल हर समय अपने पास रखें, जो आपके लिए विशेष फलदायी रहेगा।

वास्तु एवं निवास

यदि आप स्वयं का भवन निर्माण के इच्छुक हैं तो इसके लिए आवश्यक है कि आप सही दिशा का चयन करें। आपके लिए अग्नि कोण दिशा उत्तम रहेगी। मकान क्रमांक 3, 6, 9 हो तो श्रेष्ठ रहेगा। आप शहर के अग्नि कोण क्षेत्र या भवन के अग्नि कोण क्षेत्र में निवास करें। वह आपके लिए उत्तम रहेगा। अतः आप अपने रोजगार संबंधी कार्यों को करते समय भी इन्हीं दिशाओं का चुनाव करें जो आपके लिए श्रेष्ठ फलदायक रहेगा। भवन का रंग, फर्नीचर का रंग हल्का नीला, आसमानी रखना श्रेष्ठ रहेगा।

शुभ वाहन नं

यदि आप चाहते हैं कि आपकी यात्रा मंगलमय हो तो यात्रा के समय उन्हीं अंकों का चुनाव करें जो आपके मूलांक तथा मूलांक के मित्र अंक से मेल स्थापित करें। मूलांक 6 के मित्र अंक 3, 9 हैं। अतः आप यात्रा वाहन, रेलवे सीट में इन्हीं अंकों का चुनाव करें और रहने के लिए कमरे का चयन करते समय नंबर 105 = 6 आदि होना उचित है। अगर आप स्वयं का वाहन खरीदते हैं तो उसका पंजीकरण क्रमांक 3, 6 एवं 9 ही होने चाहिए। जैसे अंक 5235 = 6 इत्यादि। ऐसा वाहन आपको अच्छा फलेगा।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आएगी, आपको फेफड़ों से संबंधित रोग, धातु क्षीणता, स्नायु निर्बलता, सीने की कमजोरी, मूत्र रोग, कफ जनित रोग, कब्जियत तथा जुकाम जैसे रोग पीड़ा प्रदान करेंगे। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट तथा विपत्ति के समय आपको कार्त्तवीर्यजुन की पूजा एवं उपासना करनी चाहिए। स्त्री जातकों को संतोषी माता का व्रत करना चाहिए।

व्यवसाय

रेस्टोरेंट, होटल, ढाबे, भोजनालय, शिल्पकार, डिजायनर, महाजनी कार्य, संगीतज्ञ, उपन्यासकार, नाट्यकार, कहानीकार, बागवानी, वस्त्र व्यवसायी, अभिनेता, इत्र, तेल और अन्य तेलीय पदार्थों के विक्रेता, पुष्प विक्रेता, वस्त्राभूषण व्यवसाय, रेशम, टेरीलीन, टेरीन, ऊनी वस्त्रादि के विक्रेता, मिष्ठान व्यवसाय, घड़ीसाजी, नृत्याभिनय और काव्य तथा साहित्योपार्जन, सार्वजनिक कार्य, समाज सेवा, दास वृत्ति, यातायात, मुद्रणालय, खाद्य विभाग संबंधी समस्त कार्य।

व्रतोपवास

शुक्रवार को शुक्र अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। इक्कीस या इक्कीस शुक्रवारों को शुक्र का व्रत करें। सफेद वस्त्र धारण करें एवं सफेद वस्तुओं का दान करें। यथाशक्ति शुक्र मंत्र का स्फटिक माला पर जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

आप हीरा धारण करें। यदि आप हीरा नहीं खरीद सकते तो ओपल, सफेद पुखराज, झरकन धारण करें। 51 सेंट का हीरा आप शुक्ल पक्ष में, शुक्रवार के दिन लाभ के चौघड़िया मुहूर्त में, प्लेटिनम या चांदी की अंगुठी में, दायाँ हाथ की अनामिका उंगली में त्वचा को स्पर्श करता हुआ धारण करें।

अनुकूल देवता

आप शुक्र ग्रह की उपासना करें, अथवा भगवती दुर्गा की आराधना करें भगवती दुर्गा के अष्टाक्षरी मंत्र 'ओम् ह्रीं दुं दुर्गायै नमः' का नित्य जप करें। प्रतिदिन कम से कम एक सौ आठ मंत्र का जप करें तथा अष्टमी के दिन व्रत करें एवं दुर्गा सप्तशती का पाठ करेंगे तो आप विभिन्न रोगों और समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि यह संभव न हो सके तो भगवती दुर्गा के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए शुक्र के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु, शुक्र के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

शुक्र गायत्री मंत्र - ॐ भृगुजाय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि तन्नो शुक्रः प्रचोदयात् ॥

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप शुक्र का ध्यान करें, मन में शुक्र की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

हिमकुंदमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरुम्।

सर्वशास्त्रप्रवक्तारं भार्गवं प्रणमाम्यहम् ॥

ग्रह जप मंत्र

अशुभ शुक्र को अनुकूल बनाने हेतु शुक्र के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान एक सौ साठ माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ जप संख्या 16000 ॥



FUTUREPOINT
Astro Solutions



वनस्पति धारण

आप शुक्रवार के दिन, एक इंच लम्बी सरफोंखा की जड़ ला कर, सफेद धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधे या प्लेटिनम या चांदी के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे शुक्र के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपके लिए प्रत्येक शुक्रवार को एक बाल्टी या बर्तन में हरड़, बहेड़ा, आंवला, इलायची, केसर और मैन्सील आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ शुक्र के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आपको कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वोषधि तथा लोध को मिला कर, चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

शुक्र की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को शुक्र के पदार्थ चांदी, सोना, चावल, घी, सफेद वस्त्र, सफेद चंदन, हीरा, सफेद अश्व, दही, गंध द्रव्य, चीता, गौ, भूमि आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

शुक्र को अनुकूल बनाए रखने हेतु शुक्र यंत्र को भोज पत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर, सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में, शुक्रवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

